Dainik Jagran

LexisNexis

Date: 01-08-2006 | Edition: Delhi | Page: 3 | Source: Bureau | Clip size (cm): W: 8 H: 20

Clip: 1 of 1

उपयोगी है 'ओपन सोर्स'

चर्चा में : किताब

ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर की जानकारी, लाभ और उसके कानूनी पहलुओं का जिक्र है प्रीति सूरी की पुस्तक 'ओपन सोर्स एंड द लॉ' में...

इसमें कोई शक नहीं कि सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में काफी प्रगति हुई है। बावजूद इसके यह तय नहीं हो पाया है कि देश के लिए 'प्रोप्रॉइटरी' सॉफ्टवेयर, मसलन-- विंडो आदि ज्यादा उपयोगी है या ओपन सोर्स (लिनक्स, मीडियाविकी आदि) सॉफ्टवेयर। ओपन सोर्स क्या है, इसके क्या फायदे हैं और इसमें किस तरह की अड़चनें आती हैं, इन सब बातों का उल्लेख प्रीति सूरी की पुस्तक 'ओपन सोर्स एंड द लॉ' में किया गया है। पुस्तक की लॉन्चिंग पिछले दिनों पीएचडी हाउस सभागार में की गई।

ओपन सोर्स की जानकारी के साथ ही पुस्तक में इससे संबंधित अन्य देश के कानूनों के बारे में एक अलग अध्याय है। खासकर अमेरिकी कानून की विशेष व्याख्या है, जिसे अमेरिकी लेखक हैदर मिकर ने लिखा है।

प्रीति कहती हैं, 'ओपन सोर्स प्रांतीय भाषाओं के लिए सबसे बेहतर सॉफ्टवेयर है।' सुप्रीम कोर्ट के वकील पवन दुग्गल ने कहा, 'हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट में ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल हो रहा है। यही नहीं, राज्यों के अधिकांश ई-गवर्नेंस प्रोजेक्ट इसी सॉफ्टवेयर पर आधारित हैं।' प्रकाशक 'लेक्सिसनेक्सिस बटरवर्थ्स' के मैनेजिंग डायरेक्टर आलोक वाधवा ने कहा, 'ओपन सॉफ्टवेयर इस्तेमाल करने वालों के लिए यह एक उपयोगी पुस्तक है।' 312 पृष्ठों में सिमटी पुस्तक की कीमत 750 रुपए है।

सस्ता और उपयोगी है ओपन सोर्स : **प्रीति सूरी**

फोटो : परवीन सिंह नेगी

आर.एन. सिंह